

मारे नेणो मे राम रस छा़य रहयो है



मारे नेणो मे राम रस,
छा़य रहयो है,
छा़य रहयो छा़य रहयो,
छा़य रहयो है,
मारे नेणों मे राम रस,
छा़य रहयो है।bd।

जल बिच कमल,
कमल बिच कलीया,
कलीया मे भंवर,
लुभाय रहयो है,
मारे नेणों मे राम रस,
छा़य रहयो है।bd।

दधि बिच शीप,
शीप बिच मोती,
मोती मे ज्योति,
जगाय रहयो है,
मारे नेणों मे राम रस,
छा़य रहयो है।bd।

वन बिच बाग,
बाग बिच बंगला,
बंगला मे बलमो,
लुभाय रहयो है,
मारे नेणों मे राम रस,
छा़य रहयो है।bd।

चन्द्र सखि मोहन बिन,
मारे जीव घणो,
अकुलाय रहयो है,
मारे नेणों मे राम रस,
छा़य रहयो है।bd।



मारे नेणो मे राम रस,
छाय रहयो हैं,
छाय रहयो छाय रहयो,
छाय रहयो हैं,
मारे नेणों मे राम रस,
छाय रहयो हैं।bd।

गायक एवं प्रेषक – लालाराम प्रजापत,
सिणधरी 9828353565
महादेव साउण्ड सिणधरी।
